1-5-1990 and 1-8-1991 as Consultants in the Ministry of Information and Broadcasting after their superannuation. The Ministry's protocol, work relating to cultural exchange programmes, media coordination for sensitive States, to handle the matters relating to Prasar Bharati etc. necessitated the said appointments.

(c) and (d) In view of the reply of (a) & (b) above, there is no question of closing the doors for promotion for other persons and for the officials who are retiring in the next six months to one year. Before considering appointment of Consultants, these aspects are adequately taken care of.

3227. [*Transferred to the 25th December*, 1991.]

किसी धारावाहिक में कड़ियों की संख्या का बढ़ाया जाना

3228. **श्री अजीत जोगी:** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री 5 दिसम्बर, 1991 को राज्यसभा में अतारांकित प्रश्न 1412 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान किन-किन धारावाहिकों की कितनी-कितनी कड़ियां बढ़ाये जाने की अनुमति दी गई ; और

(ख) इस तरह की अनुमति दिये जाने के क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) उक्त अवधि के दौरान निम्नलिखित धारावाहिको की कड़ियां बढ़ाई गई । उन्हें पुनः प्रसारित किया गया (अतिरिक्त कड़ियां कोष्ठक में दर्शायी गयी हैं) :—

रामायण (26+39 उत्तर रामायण के लिए), महाभारत (39), कर्मभूमि (4), कहां गये वे लोग (13), जिंदगी (13), मनोरंजन (7), और भी हैं राहें (6), बहादुर शाह जफर (1), चुनौती (9), कथा सागर (13), मालगुड़ी डेज (13), बिंदास टाइम (21), हिमालय दर्शन (13), अदालत (13), सुनील गावस्कर प्रेजेन्ट्स (13), उड़ान (19), कशमकश (13), एक कहानी (13), मैला आंचल (2); गुल गुलशन गुलफाम (19), टीपू सुल्तान की तलवार (20) और बागल की दुनियां (13) ।

(ख) इन धारावाहिकों की कड़ियां बढ़ाने/उनका पुनः प्रसारण करने की मंजूरी उनकी निहित उत्कृष्टता, लोकप्रियता तथा कथा के प्रतिपादन को ध्यान में रखते हुए दी गई थी ।

Teletext service to the viewers of Bombay

3229. SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government are aware that English News on Doordarshan in the night is frequently delayed;

(b) if so, what steps are being taken by Doordarshan to telecast the News on time;

(c) whether there is any proposal to provide tele-information (Teletext) to viewers in Bombay on the second channel, on the pattern as provided to viewers in Delhi;

(d) if so, the details thereof; and

(e) if not, the reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI GIRIJA VYAS): (a) Yes, Sir, on some occasion.

(b) Constant efforts are being made by Doordarshan to adhere to the scheduled time of their telecast.

(c) to (e) At present there is no proposal to extend the Teletext Service to Bombay Kendra on account of resource constraints.

दूरदर्शन पर प्रश्नकाल दिखाए जाने पर होने वाला खर्च

3230. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दूरदर्शन द्वारा संसद् के प्रश्नकाल को टेलीविजन पर दिखाये जाने पर कितना खर्च हो रहा है ;